

में हूँ शरण में तेरी हे नाथ डमरू वाले

तर्ज – मैं ढूँढता हूँ जिनको

में हूँ शरण में तेरी हे नाथ डमरू वाले,
दुःख से मुझे उबारो पाँवों में पड़ गए छाले,
में हूँ शरण में तेरी हे नाथ डमरू वाले.....

फर्सीं है भवरो में नैया,
बिच मजधार हूँ मैं,
सहारा दीजिये आकर,
की अब लाचार हूँ मैं,
उठते नहीं कदम अब,
थक गए है काशीवाले,
में हूँ शरण में तेरी हे नाथ डमरू वाले.....

मेरी अरदास सुण लीजे,
सुदी गिरिजापति लीजे,
राह तेरी निहारु मैं,
सहारा आन कर दीजे,
कोई नहीं है तुम बिन,
पतवार जो थमा ले,
में हूँ शरण में तेरी हे नाथ डमरू वाले.....

खाके ठोकर हे शिव शम्भु,
कही पथ में ना गिर जाऊ,
तुम्हारा नाम ले ले कर,
यही रस्ते में ना मर जाऊ,
बदनाम होंगे तुम भी,
मेरे नाथ भोले भाले,
में हूँ शरण में तेरी हे नाथ डमरू वाले.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32547/title/main-hu-sharan-me-teri-hey-nath-damru-wale>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |